Prepzy

Hindi :

Table of Contents

1. लेखक से परिचय
2. कहानी का सारांश
3. केंद्रीय भाव एवं विषय
4. पात्र परिचय
5. महत्वपूर्ण उद्धरण एवं पंक्तियों की व्याख्या
6. अभ्यास प्रश्न
7. उत्तर कुंजी
8. त्वरित संदर्भ
9. शब्दावली

लेखक से परिचय

"एक टोकरी भर मिट्टी" के लेखक माधवराव सप्रे हैं। वे मराठी भाषा के थे और उनका जन्म दमोह (मध्य प्रदेश) में हुआ था। वे लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की प्रेरणा से हिंदी साहित्य में आए। उन्होंने तिलक के प्रसिद्ध ग्रंथ गीता-रहस्य का मराठी से हिंदी में अनुवाद किया। उनकी प्रमुख कृतियों में स्वदेशी आंदोलन और बायकॉट शामिल हैं।

माधवराव सप्रे की कहानियाँ सामाजिक समस्याओं को उजागर करती हैं और गहरी मानवीय संवेदनाओं को प्रस्तुत करती हैं। वे केवल घटनाएँ नहीं सुनाते, बल्कि समाज के जटिल प्रश्नों को भी उठाते हैं।

कहानी का सारांश

कहानी में एक गरीब, अनाथ वृद्धा की झोंपड़ी है जो एक श्रीमान् ज़मींदार के महल के पास स्थित है। ज़मींदार साहब अपने अहाते का विस्तार करना चाहते हैं और वृद्धा से झोंपड़ी हटाने को कहते हैं। वृद्धा के पति और पुत्र की मृत्यु हो चुकी है और उसकी पाँच वर्ष की पोती ही उसका एकमात्र सहारा है। झोंपड़ी से हटने के लिए वृद्धा तैयार नहीं होती क्योंकि वह अपने घर और परिवार की यादों से जुड़ी है।

ज़मींदार ने अदालत की मदद से झोंपड़ी पर कब्जा कर वृद्धा को वहाँ से निकाल दिया। वृद्धा पास के किसी और स्थान पर रहने लगी। उसकी पोती ने झोंपड़ी से हटने के बाद खाना-पीना छोड़ दिया।

एक दिन वृद्धा झोंपड़ी के पास टोकरी में मिट्टी लेकर आती है और ज़मींदार से अनुमति मांगती है कि वह मिट्टी लेकर जाए ताकि उसकी पोती उस मिट्टी से बनी रोटी खा सके। ज़मींदार अनुमति देते हैं।

जब ज़मींदार टोकरी उठाने की कोशिश करते हैं तो वह उनकी शक्ति से बाहर होती है। वृद्धा कहती है कि झोंपड़ी में हजारों टोकरी मिट्टी पड़ी है, जिसका भार वह नहीं उठा सकते। इस घटना से ज़मींदार को अपनी गलती का एहसास होता है और वे वृद्धा से क्षमा मांगकर झोंपड़ी वापस कर देते हैं।

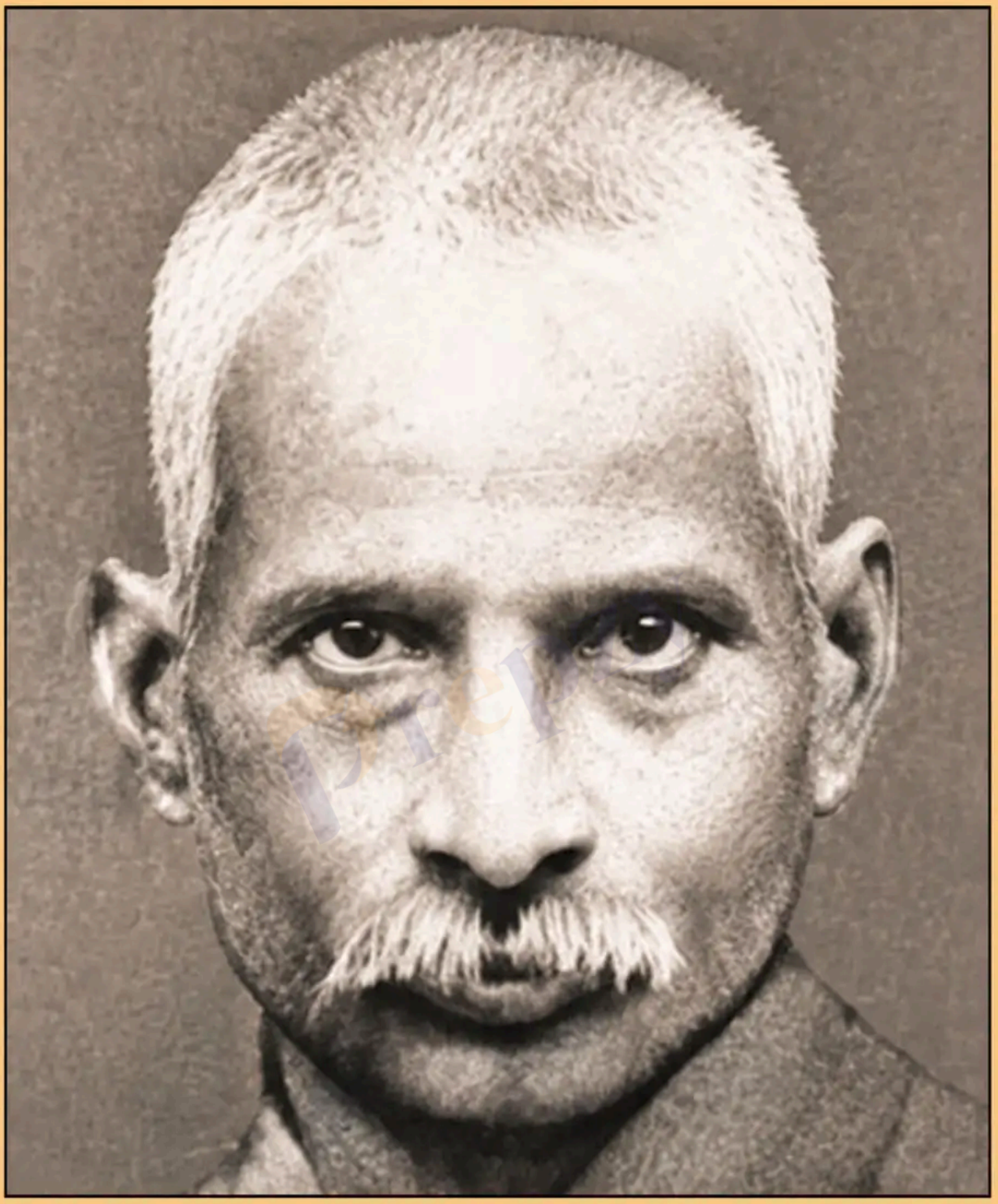

(1871–1926)

□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□

यह कहानी सामाजिक अन्याय, संपत्ति के लालच और गरीबों के प्रति दया की भावना को दर्शाती है। कहानी में ज़मींदार की अहंकारपूर्ण सोच और वृद्धा की दृढ़ता के माध्यम से सामाजिक असमानता और मानवीय संवेदनाओं का चित्रण किया गया है।

कहानी यह संदेश देती है कि धन और शक्ति से बड़ा मानवीय संवेदना और न्याय है।

पात्र परिचय

- वृद्धा **:** एक गरीब, अनाथ महिला जो अपनी झोंपड़ी और परिवार के प्रति गहरी लगाव रखती है।
- ज़मींदार साहब **:** संपन्न और अहंकारी व्यक्ति जो अपनी ज़मीन का विस्तार करना चाहता है।
- पोतिया **:** वृद्धा की पाँच वर्ष की पोती, जो झोंपड़ी से हटने के बाद खाना-पीना छोड़ देती है।

महत्वपूर्ण उद्धरण एवं पंक्तियों की व्याख्या

- "जब से यह झोंपड़ी छूटी है, तब से मेरी पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया है।" – यह पंक्ति पोती के मानसिक और शारीरिक कष्ट को दर्शाती है।
- "महाराज, कृपा करके इस टोकरी को ज़रा हाथ लगाइए जिससे कि मैं उसे अपने सिर पर धर लूँ।" – वृद्धा की विनम्रता और ज़मींदार के अहंकार का विरोध।
- "नहीं, यह टोकरी हमसे न उठाई जाएगी।" – ज़मींदार की असमर्थता और कहानी का मुख्य संदेश।

Prepzy

अभ्यास प्रश्न

स्तर 1 – सरल

- वृद्धा की झोंपड़ी क्यों ज़मींदार के लिए महत्वपूर्ण थी?
- वृद्धा ने ज़मींदार से क्या विनती की?
- झोंपड़ी से हटने के बाद पोती का क्या हाल हुआ?

स्तर 2 – मध्यम

- कहानी में ज़मींदार की सोच और वृद्धा की भावना में क्या अंतर है?
- टोकरी भर मिट्टी का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है?
- कहानी से हमें क्या सामाजिक संदेश मिलता है?

स्तर 3 – कठिन

- कहानी के अंत में ज़मींदार की मानसिकता में क्या बदलाव आया और क्यों?
- इस कहानी को पढ़कर आप सामाजिक न्याय के विषय में क्या सीखते हैं?
- "एक टोकरी भर मिट्टी" में लेखक ने किस प्रकार मानवीय संवेदनाओं को प्रस्तुत किया है?

उत्तर कुंजी

स्तर 1 – सरल

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible] 2 – [illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible] 3 – [illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]



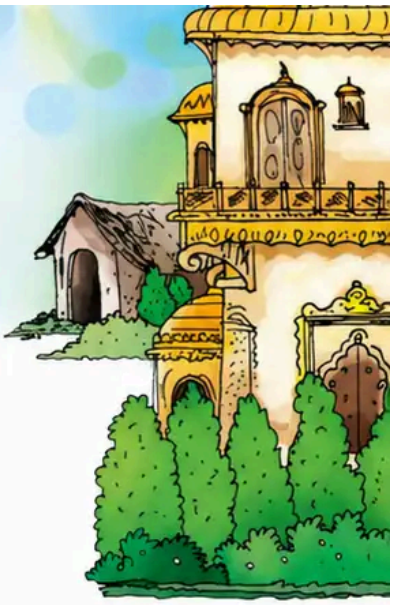

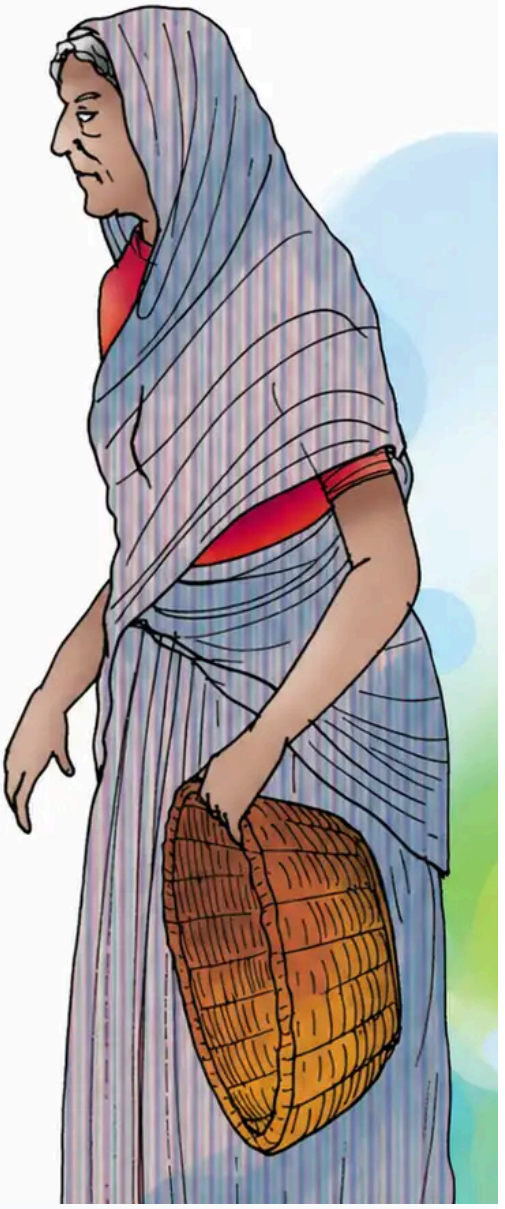

Prepzy